IIM 13वां कन्वोकेशन, 7 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल, 643 को मिली डिग्री

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम रायपुर का 13वां दीक्षांत बुधवार को नवा रायपुर स्थित कैंपस में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के तौर पर डॉ. रेड्डी लेबोरेटरीज के को-चेयरमैन व एमडी जीवी प्रसाद मौजूद रहे। उन्होंने 2022-24 बैच के पीजीपी और ईपीजीपी के टॉपर्स को गोल्ड मेडल दिया। पीजीपी में हाइएस्ट सीजीपीए के लिए महालक्ष्मी षणमुगम को गोल्ड दिया गया। इसी तरह ओवर ऑल परफॉर्मेंस के लिए अर्जुन बंसील और ईपीजीपी में हाइएस्ट सीजीपीए के लिए प्राची दीक्षित को गोल्ड मेडल दिया गया।

दीक्षांत में जब शुभम त्रिपाठी का नाम पुकारा गया तो सभी ने तालियों के साथ शुभम का हौसला बढ़ाया। क्योंकि कैंसर पीड़ित होने के बाद भी शुभम टॉप-10 में शामिल रहे। समारोह में पीजीपी 2022-24, ईपीजीपी, एफपीएम, इंएफपीएम, पीजीपी 2021-23, 2018-20 व 2019-21 के 643 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। इस दौरान बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन पुनीत डालमिया, डायरेक्टर डॉ राम कुमार काकानी व अन्य मौजूद थे।

पढ़िए, क्या कहते हैं टॉपर्स

जॉब और परिवार के साथ पढ़ाई चैलेंजिंग

प्राची दीक्षित को ईपीजीपी प्रोग्राम में हाइएस्ट सीजीपीए के लिए गोल्ड मेडल मिला। मुंबई की प्राची ने बताया कि मैंने 15 साल जॉब करने के बाद पढ़ाई शुरू की थी। यह मेरे लिए काफी चैलेंजिंग था। जॉब के साथ परिवार और फिर पढ़ाई। पहले तो समझ नहीं आया कैसे होगा। डिप्रेशन भी होता था, लेकिन सब चीजों को मैनेज करते हुए डेडिकेशन के साथ करती गई।

नानी का सपना था गोल्ड, मैंने पूरा किया

महालक्ष्मी षणमुगम को पीजीपी में हाइएस्ट सीजीपीए के लिए गोल्ड मिला। मुंबई निवासी महालक्ष्मी कंप्यूटर साइंस में भी गोल्ड मेडलिस्ट है। महालक्ष्मी बताती हैं कि मेरी नानी चाहती थी कि मैं एमबीए में भी गोल्ड मेडलिस्ट बनूं। एडमिशन के टाइम पर वो मुझे कॉलेज भी छोड़ने आने वाली थी, लेकिन उसके पहले ही उनकी डेथ हो गई। मैं उनका सपना पूरा करना चाहती और मैंने किया भी।

2 साल में 38 इवेंट, बने ओवरऑल टॉपर

एकेडमिक के साथ एक्स्ट्रा करिकुलम में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले अर्जुन बंसील को ओवर ऑल परफॉर्मेंस के लिए गोल्ड मेडल मिला। अर्जुन ने बताया कि मैं सक्षम कमेटी का मेंबर था और 2 साल में 38 से ज्यादा इवेंट कराए। म्यूजिक टीम का मैं लीड सिंगर था। मेरे लिए 4 साल के गैप के बाद पढ़ाई करना टफ था। पढ़ाई के लिए पूरा एफर्ट किया और सब अच्छा हुआ।

बधाई, क्योंकि आज से आप अपने सपनों को आकार देना शुरू करेंगे

जीवी प्रसाद . रायपुर

आप सभी को बधाई...। आज का दिन महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज के बाद आप सभी अपने सपनों को आकार देना शुरू करेंगे। मैनेजमेंट एजुकेशन से आप 3 चीजें सीखते हैं। पहला- आर्गेनाइजेशन चलाने विजन सीखते हैं। दूसरा- मौके को इम्पैक्ट में बदलना और तीसरा- जिंदगी का सामना करना। **आज मैं अपनी लाइफ और कॅरियर के तजुर्बे से आपको 5 टिप्स देना चाहूंगा...**

1 मुश्किलें आपको बेहतर बनाती हैं : मैंने 1990 में डॉ. रेड्डी कंपनी ज्वॉइन की। उस वक्त कंपनी को 5 साल हुए थे और 70 प्रतिशत लोगों ने रिजाइन कर दिया था। इसके बाद अगले 2 से 3 साल में मैंने सारा काम समझा। वीकेंड्स में भी काम किया। मेरा केवल एक गोल था कि कंपनी को ऐसा बनाना, जो बदलाव के साथ चल सके और मार्केट में हो करे। यही सोच मुझे पिछले 30 साल से मोटिवेट करती है। मुश्किलों से कदम पीछे मत करना, वो आपको बेहतर के लिए तैयार करती है।

2 नया सीखते रहना चाहिए : जब मैंने कंपनी ज्वॉइन किया तो मुझे नॉलेज कम थी। मैंने केमिकल इंजीनियरिंग की, लेकिन परिवार कंस्ट्रक्शन बिजनेस में है। इस तरह मैं इस फील्ड का काम सीखता गया। आप भले ही आईटी पर्सन हों, लेकिन ये पता होना चाहिए की इंजन कैसे चलता है और कार कैसे बनती है। जिज्ञासु रहें, इससे जीवन में और मौके आएंगे।

3 ऐसा संस्थान चुनें, जिसका फोकस बड़ा हो : सबसे बड़ी खुशी आपको दुनिया में पॉजिटिव इम्पैक्ट क्रिएट करके मिलती है। हम प्रॉफिट से ज्यादा प्रॉब्लम सॉल्विंग, अफोर्डेबल इफेक्टिवनेस पर ध्यान देते हैं। हम पेशेंट को सस्ते के साथ इफेक्टिव दवा देने की कोशिश करते हैं। स्केची बिजनेस से बचे। उसमें गिरने, घोटाले की संभावना होती है।

4 जो दुनिया के लिए अच्छा है, वही आपके लिए भी : हम पेशेंट के लिए दवा बनाते हैं ना की लोगों के लिए। तो प्रॉफिट हमारे लिए सेकेंडरी है। हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को सर्व करना चाहते हैं।

5 काम करो, लेकिन पैशन भी पूरा करो : मेरा पहला पैशन मेरा काम है, लेकिन मुझे बर्ड वॉचिंग और फोटोग्राफी का शौक है। मैं पूरी दुनिया के नेशनल पार्क घूम चुका हूं। मेरे पैशन ने मेरे काम में बहुत मदद की। इससे मैं ज्यादा ऑब्जर्व करने लगा, मेरा पेशेंस लेवल बढ़ा, फोकस करने के मायने समझ आए। साथ ही नेचुरल ईको-सिस्टम की समझ बढ़ी।

Dainik Bhaskar, 11th April 2024, P.04d